चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट का मना 11 वां स्थापना दिवस

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) ने सोमवार को अपना 11 वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। सीआईएमपी के संस्थापक निदेशकए डॉ वी मुकुंद दास ने अपने संबोधन में सीआईएमपी के संस्थान निर्माण का वृतांत सुनाया और बताया के कैसे सीआईएमपी जैसे अद्भुत ज्ञान का स्मारक का निर्माण किया गया जिसने नालंदा और विक्रमशिला जैसे प्रा चीन विश्वविद्यालयों के पतन के बाद राज्य के शैक्षिक गौरव को पुनर्जीवित करने में महतव्पूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ दास ने बताया कि ग्यारह साल पहले एक कमरे वाले प्रतीकात्मक संस्थान से आज के अत्याधुनिक कैंपस वाले संस्थान की यात्रा एक आरामदायक यात्रा नहीं थी। इसे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और उचित समर्थन के कारण धन्यवाद दिया जिससे संस्थान सभी कठिनाइयों का सामना करने में सक्षम रहा और आज गर्व से देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों की कतार में खड़ा है। स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के लोगों के योगदान की सराहना करते हुए डॉ दास ने आगे कहा कि अब समय एक और स्वतंत्रता संग्राम के लिए परिपक्व हो रहा है जो है पिछड़ेपन से स्वतंत्रता। विशेष रूप से गुजरात में प्रचलित प्रथा का हवाला देते हुए, उन्होंने सीआईएमपी के विद्यार्थियों को उनके राज्य का विकास के लिये काम करने के लिए प्रेरित किया। डॉ दास ने सीआईएमपी के अंतर्राष्टीय पहुच को विस्तृत करने के लिए अपने विजन प्लान की रूपरेखा तैयार की जिसमे मॉरीशस में एक ऑफ-शोर परिसर और अन्य देशो के संस्थानों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग शामिल है। इस अवसर पर एक 11 मिनट की वीडियो प्रस्तुति प्रदर्शित की गयी जिसमे संस्थान के सभी महत्वपूर्ण घटनाओं और संस्थान के माइलस्टोंस को शामिल किया जिस पर पर दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा सभागार भर गया। इस समारोह में पीजीडीएम और एफपीएम छात्रों के अलावा संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी भी शामिल थे और सीआईएमपी द्वारा संचालित मुख्यमंत्री एससी-एसटी उद्यमिता प्रवर्धन कार्यक्रम के प्रतिभागी भी शामिल थे। इस आयोजन में विजया कृष्णन नायर को अपनी सौंपी गई जिम्मेदारियों को व्यवस्थितए सुचारू रूप से निभाने के लिए वर्ष -2018 के लिए सर्व श्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार का पुरस्कार भी मिला।

Aaj Page No-08

Dated:-05/02/2019

मॉरीशस में कैंपस खोलेगा सीआईएमपी, वहां के विद्यार्थी भी यहां आएंगे पढ़ने

संस्थान के 11 साल पूरे, इंटरनेशनल बिजनेस संस्थानों से टाइअप की तैयारी

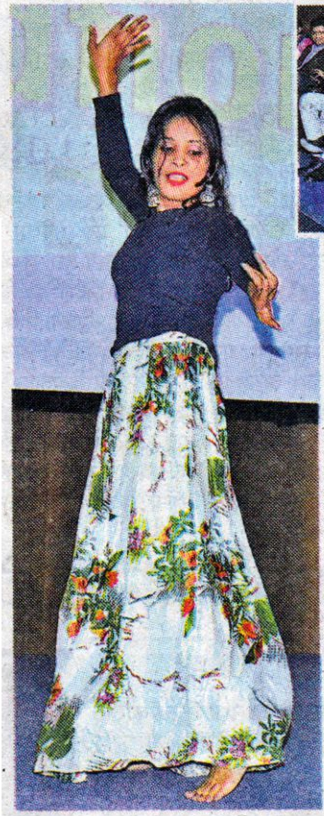

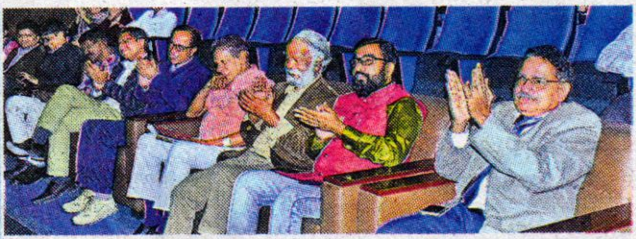

पटना| चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना ने सोमवार को अपने 11 साल पूरे किए। इस मौके पर पूरे उत्साह के साथ स्थापना दिवस मनाया गया। मौके पर सीआईएमपी के संस्थापक निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने कहा कि सीआईएमपी अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से टाईअप करेगा। उद्देश्य रिसर्च ट्रेनिंग और स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम कराना होगा।

उन्होंने बताया कि 2020 तक बहुत सारी योजनाएं शुरू की जाएंगी। इनमें मुख्य होगा मॉरिशस में ऑफ-शोर परिसर बनाना। ऑफ-शोर परिसर का अर्थ है कि मॉरिशस में सीआईएमपी अपना कैंपस बनाएगा, जिसमें पटना के फैकल्टी वहां के छात्रों को पढ़ाएंगे। मॉरिशस और भारत सरकार से सहमति मिलने के बाद वहां के बच्चे भी पटना कैंपस में पढ़ पाएंगे। इसके लिए कॉलेज में कैंपस के फेज टू प्रोजेक्ट के तहत विस्तार हो रहा है। इसमें नई बिल्डिंग के साथ-साथ नए गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण शामिल है। नए गर्ल्स हॉस्टल में 360 कमरे होंगे। रिसर्च के लिए कॉलेज यूके के सेमफॉर्ड, साउथैंप्टन और जंथशॉल्ट संस्थानों से टाईअप करने की तैयारी में हैं। सीआईएमएपी में एससी-एसटी के लिए स्पेशल बैच शुरू किया जाएगा। इसमें एमबीए के डिप्लोमा कोर्स की पढ़ाई होगी। इसके लिए सरकार को प्रस्तावना भेज दी गई है। मौके पर विजया कृष्णन नायर को 2018 के लिए सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार मिला। छात्राओं ने डांस प्रस्तुत किया। डीन राकेश सक्सेना, प्रो अंगद शर्मा आदि मौजूद रहे।

Dainik Bhaskar Page No-05
Dated:-05/02/2019

समारोह विजया कृष्णन नायर बने 2018 के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी, निदेशक ने उपलब्धियों पर डाला प्रकाश

सीआइएमपी का मॉरीशस में भी होगा कैंपस

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना (सीआइएमपी) का मॉरीशस में भी अपना कैंपस होगा। इसका विजन प्लान तैयार कर लिया गया है। उक्त जानकारी सीआइएमपी के 11 वें स्थापना दिवस समारोह में निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने दी। उन्होंने बताया कि कैंपस में अंतरराष्ट्रीय व मॉरीशस की जरूरतों के अनुसार कोर्सवर्क प्लान तैयार किए जाएंगे। अनुमति मिलते ही अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार कैंपस निर्माण व कोर्स की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। कई विदेशी विश्वविद्यालयों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध के लिए समझौता किया गया है। इंग्लैंड के साउथ हैम्पटन विश्वविद्यालय से शोध तथा फैकल्टी व स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए समझौता किया गया है। दोनों संस्थान एक-दूसरे की सुविधा व शोध का लाभ उठाएंगे।

डॉ. दास ने 11 साल में एक कमरे से अत्याधुनिक कैंपस तक के सफर पर प्रकाश डाला। 11 मिनट के वीडियो में संस्थान की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। निदेशक ने जरूरत के अनुसार हर समय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग के बिना चंद वर्षों में ही संस्थान की अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहचान संभव नहीं थी। विजया कृष्णन नायर को वर्ष-2018 का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार दिया गया।

चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के स्थापना दिवस पर उपस्थित लोग। • जागरण

छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम से बांधा समां : उद्घाटन सत्र के बाद पीजीडीएम और एफपीएम के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अतिथियों ने छात्राओं के ग्रुप डांस को खूब सराहा।

Dainik Jagran ! Page.NO-17 ! Dated:05-02-2019

सीआईएमपी के 11वें स्थापना दिवस पर निदेशक डॉ. दास ने कहा

देश के प्रतिष्ठित संस्थानों की कतार में आया सीआईएमपी

पटना। कार्यालय संवाददाता

आप अपने लिए हर चीज करिए, लेकिन अपने राज्य के लिए भी कुछ करें। गुजरात में कई ऐसे गांव हैं, जिनका उस गांव से संबंध रखने वाले एनआरआई ने कायापलट कर दिया। यह कहना था चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के निदेशक डॉ. वी. मुकुंदा दास का। वे इंस्टीट्यूट के 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

पिछड़ेपन से स्वतंत्रता जरूरी

सोमवार को ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. दास ने कहा कि 11 साल पहले एक कमरे वाले प्रतीकात्मक संस्थान से आज के अत्याधुनिक कैंपस वाले संस्थान की यात्रा एक आरामदायक यात्रा नहीं थी। इसे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और उचित समर्थन के लिए धन्यवाद दिया, जिससे संस्थान सभी कठिनाइयों का सामना करने में सक्षम रहा और आज गर्व से देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों की कतार में खड़ा है। स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के लोगों के योगदान की सराहना करते हुए डॉ. दास ने आगे कहा कि अब समय एक और स्वतंत्रता संग्राम के लिए परिपक्व हो रहा है, जो है पिछड़ेपन से स्वतंत्रता।

फिल्मी गानों पर छात्रों ने पेश किए डांस

स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। इसमें छात्राओं ने विभिन्न फिल्मों गानों पर डांस प्रस्तुत किए। चारू और राधिका ने नैनो वालों ने छेड़ा मन का प्याला सहित कई गानों पर डांस किए। इसी तरह हर्षिता, कल्याणी और स्नेहा ने भी डांस प्रस्तुत किए। 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर 11 मिनट का एक वीडियो ऑडिटोरियम में प्रदर्शित किया गया। इसमें संस्थान के स्थापना से लेकर हिन्दी भवन में संस्थान चलने और फिर वर्तमान कैंपस में शिफ्ट करने की यात्रा को इस वीडियो में दिखाया गया था। साथ ही स्थापना दिवस कार्यक्रम में सबसे अच्छे कर्मचारी का अवार्ड विजया कृष्णन नायर को दिया गया। उन्हें 2018 का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी से पुरस्कृत किया गया। डीन राकेश सक्सेना ने यह अवार्ड दिया।

सीआईएमपी के 11वें स्थापना दिवस कार्यक्रम का सोमवार को शुभारंभ करते निदेशक डॉ. वी. मुकुंदा दास।

मारीशस और फिजी के छात्र पढ़ेंगे सीआईएमपी में

पटना। सब कुछ ठीक रहा तो मॉरीशस और फिजी के छात्र सीआईएमपी में पढ़ेंगे। स्थापना दिवस कार्यक्रम के समापन के बाद संस्थान के निदेशक डॉ. वी. मुकुंदा दास ने प्रेस कान्फ्रेंस में बताया कि मॉरीशस व फिजी के छात्रों को सीआईएमपी में पढ़ने के लिए एक प्रस्ताव दिया गया है। दोनों देशों की सरकार से प्रस्ताव मंजूर हो जाने के बाद वहां के विद्यार्थी सीआईएमपी में पढ़ेंगे। वैसे भविष्य में सीआईएमपी का कैंपस मॉरीशस में भी खोलने पर विचार हो रहा है। डॉ. दास ने बताया कि सीआईएमपी सेलफोर्ड, साउथेम्टन यूनिवर्सिटी और लंकाशायर के साथ रिसर्च और ट्रेनिंग के लिए समझौता करने जा रहा है। 2020 तक एक्सचेंज प्रोग्राम भी शुरू करने की कोशिश में हैं।

Hindustan Yuva ! Page.No-02 ! Dated:05-02-2019

विदेश के संस्थानों के साथ भी सहयोग बढ़ाएगा सीआईएमपी

patna@inext.co.in

PATNA(4Feb): आज से 11 साल साल पहले सीआईएमपी के पास अपनी बिल्डिंग नहीं थी. कई अड़चने थी, फिर राज्य सरकार के प्रयास से नई बिल्डिंग मिली. अब संस्थान का विजन प्लान है कि विदेश के संस्थानों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाया जाए. इसकी शुरुआत मॉरीशस के साथ की जा रही है. आगे अन्य देशों के संस्थानों को भी जोड़ा जाएगा. ये बातें सोमवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) का 11वां फाउंडेशन डे के अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर डॉ वी मुकुंद दास ने कही. इस सहयोग के अंतर्गत संबंधित देश में एक ऑफ शोर कैंपस बनाया जाएगा. दुनिया की बड़ी - बड़ी यूनिवर्सिटी ऐसा करती है कि वह अपने हेडक्वाटर के साथ अन्य देशों में भी अपने संस्थान स्थापित करती है. इससे संस्थान को ग्लोबल पहचान आसानी से मिलती है. डायरेक्टर ने कहा कि बिहार ज्ञान की भूमि रही है और

वर्तमान बिहार को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित करने में सीआईएमपी की बड़ी भूमिका रही है.

राज्य के लिए करें काम

अपने संब्रोधन में डायरेक्टर डॉ वी मुकुंद दास ने कहा कि गुजरात में ऐसे कई संस्थान हैं जहां स्टूडेंट्स पास आउट होने के बाद कहीं और न जाकर अपने ही प्रदेश में रहकर सकारात्मक बदलाव लाते हैं. इसी तर्ज पर सीआईएमपी के स्टूडेंटस को भी काम करने की जरूरत है.

I-Next Page No-06
Dated:-05/02/2019

Foundation day fiesta at CIMP

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) on Monday celebrated its 11th Foundation Day with nostalgic fervour. Founder director of CIMP, Dr. V. Mukunda Das, in his address narrated the saga of his institution building of CIMP and how he built up this wonderful monument of knowledge for the state and helped resurrect the educational glory of the state that had slipped away over the time with the decadent ancient universities of Nalanda and Vikramshila. A nostalgic Dr. Das said that the journey from a symbolic one-room institute eleven years back to an institute of national eminence in its own state-of-the-art sprawling campus was not a comfortable journey. It had to face several rough weathers.

He thanked chief minister Nitish Kumar for his visionary approach and rock-solid support, due to which the institute has been able to weather all storms and today proudly stands in the league of reputed national institutions of the country. Lauding the contribution of the people of state in the freedom struggle, Dr. Das further said that the time is now ripe for yet another freedom struggle- freedom from under-development. Citing the prevalent practice especially in Gujarat, he exhorted the CIMPians to work for the development of their state; irrespective of the position or location they are in.

Dr. Das also charted out his vision plan for widening the international foot-prints of CIMP through international collaborations and off-shore campus at Mauritius. On this occasion, an 11-minute video presentation capturing all the important events and milestones of the institute was screened drawing thunderous applause from the audience which; apart from PGDM and FPM students; also included faculty members, officers, staff members and participants of chief minister's SC/ST entrepreneurship MDP being conducted by CIMP with the support of department of industries.

The event also witnessed bestowing of Best Employee Award for the Year-2018 upon Vijaya Krishnan Nair for carrying out his assigned responsibilities systematically, smoothly and with astute alacrity.

Morning India Page No-03
Dated:-05/02/2019

वैश्विक स्तर पर छात्रों को मिलेगी मैनेजमेंट की शिक्षा

अब मॉरिशस में भी होगा सीआइएमपी का कैंपस

- कैंपस खोलने के लिए मॉरिशस की सरकार को दिया गया प्रपोजल

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना कैंपस में कार्यक्रम की शुरुआत करते अतिथि.

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना कैंपस जल्द ही वैश्विक स्तर पर छात्रों को मैनेजमेंट की शिक्षा देगा. संस्थान जल्द ही मॉरिशस में अपना ऑफ कैंपस शुरू करने वाला है. यह जानकारी संस्थान के निदेशक डॉ वी. मुकुंद दास ने सोमवार को संस्थान के ग्यारहवें फाउंडेशन डे के मौके पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कही. उन्होंने कहा कि इस कैंपस के लिए मॉरिशस की सरकार को प्रपोजल दिया जा चुका है. संस्थान के पहले डीपीआर में ही यह शामिल था कि सीआइएमपी का ऑफ कैंपस मॉरिशस के अलावा फिजी में खोला जाये. उद्देश्य यही है इन देशों में बिहारी मूल के छात्रों को मैनेजमेंट की स्टडी करायी जा सके. इस तरह का पहल करने वाला सीआइएमपी राज्य का संभवतः पहला संस्थान होगा.

इस वर्ष होंगे कई नये कार्य

डॉ दास ने कहा कि संस्थान द्वारा इस साल सैंडफोर्ड यूनिवर्सिटी, साउथैम्पटन व लंकाशायर यूनिवर्सिटी से समझौता करने जा रहा है. इसका उद्देश्य रिसर्च व ट्रेनिंग को बढ़ावा देना है. इन तीनों की विवि के साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम का भी आयोजन किया जायेगा. इन सभी कार्यों को 2020 से शुरू करने की योजना है. एक और अहम जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि एससी/एसटी श्रेणी के छात्रों के लिए पीजीडीएम कोर्स का नया बैच शुरू किया जायेगा. यह ड्रीम प्रोजेक्ट है.

सौ प्रतिशत प्लेसमेंट

डॉक्टर दास ने कहा कि संस्थान ने उम्मीद से ज्यादा बेहतरी हासिल किया है. संस्थान राज्य में सोशल कंट्रिब्यूशन में अपना अहम रोल निभा रहा है. छात्रों और स्टडी पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यहां सौ प्रतिशत प्लेसमेंट है. 76 से ज्यादा इंटरनेशनल कांफ्रेंस में यहां के फैकल्टी हिस्सा ले चुके हैं. सर्वे एनालिसिस के आधार पर यह कहा जा सकता है कि संस्थान अन्य आइआइएम से बेहतर है. उन्होंने कहा कि जीवन आप सबका है लेकिर बिहार के लिए आप सब कुछ कीजिए. गुजरात में कई ऐसे गांव हैं जो वहां के एनआरआइ ने विकसित किया है. यहां भी ऐसा कीजिए. स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के लोगों के योगदान की सराहना करते हुए डॉ दास ने कहा कि अब समय एक और स्वतंत्रता संग्राम के लिए परिपक्व हो रहा है जो है पिछड़ेपन से स्वतंत्रता का. आयोजन में एक 11 मिनट की वीडियो प्रस्तुति प्रदर्शित की गयी.

संस्थान ने मनाया स्थापना दिवस

सीआइएमपी ने अपना 11 वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया. संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने सीआइएमपी के संस्थान निर्माण का वृतांत सुनाया और बताया कि कैसे सीआइएमपी का निर्माण किया गया, जिसने नालंदा और विक्रमशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों के पतन के बाद राज्य के शैक्षिक गौरव को पुनर्जीवित करने में अहम भूमिका निभायी है.

Prabhat Khabar ! Page.No-20 ! Dated:05-02-2019

देश के प्रतिष्ठित संस्थानों की कतार में खड़ा है सीआईएमपी

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआईएमपी) ने सोमवार को अपना 11वां स्थापना दिवस मनाया। सीआईएमपी के संस्थापक निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने संस्थान के निर्माण का वृतांत सुनाया और बताया कि कैसे सीआईएमपी ने नालंदा और विक्रमशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों के पतन के बाद राज्य के शैक्षिक गौरव को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. दास ने कहा कि ग्यारह साल पहले एक कमरे वाले प्रतीकात्मक संस्थान से आज के अत्याधुनिक कैंपस वाले संस्थान की यात्रा एक आरामदायक यात्रा नहीं थी। इसे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और उचित समर्थन के लिए धन्यवाद दिया जिससे संस्थान सभी कठिनाइयों का सामना करने में सक्षम रहा और आज गर्व से देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों की कतार में खड़ा है। स्वतंत्रता संग्राम में बिहार

संस्थान के स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं।

के लोगों के योगदान की सराहना करते हुए डॉ दास ने कहा कि अब समय एक और स्वतंत्रता संग्राम के लिए परिपक्व हो रहा है जो है पिछड़ेपन से स्वतंत्रता। विशेष रूप से गुजरात में प्रचलित प्रथा का हवाला देते हुए उन्होंने सीआईएमपी के विद्यार्थियों को उनके राज्य का विकास के लिये काम करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. दास ने सीआईएमपी के अंतर्राष्ट्रीय पहुंच को विस्तृत करने के लिए अपने विजन प्लान की रूप रेखा तैयार की जिसमें मॉरीशस में एक ऑफ-शोर परिसर और अन्य देशो के संस्थानों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग शामिल है। इस अवसर पर एक 11 मिनट की वीडियो प्रस्तुति प्रदर्शित की गयी जिसमें संस्थान के सभी महत्वपूर्ण घटनाओं और संस्थान के माइलस्टोन्स को शामिल किया गया है। समारोह में पीजीडीएम और एफपीएम छात्रों के अलावा संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी भी शामिल थे और सीआईएमपी द्वारा संचालित मुख्यमंत्री एससी-एसटी उद्यमिता प्रवर्धन कार्यक्रम के प्रतिभागी भी शामिल थे। इस आयोजन में विजया कृष्णन नायर को अपनी सौंपी गई जिम्मेदारियों को व्यवस्थित, सुचारू रूप से निभाने के लिए वर्ष-2018 के लिए सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार का पुरस्कार भी मिला।

Rashtriya Sahara Page No-05
Dated:-05/02/2019

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के 11वे स्थापना दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम

पटना/कार्यालय संवाददाता। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना सीआईएमपी का 11 वां स्थापना दिवस सोमवार को उत्साह के साथ मनायागया। इस दौरान संस्थान के छात्र छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का मन मोहा। इस मौके पर संस्थान के संस्थापक निदेशक, डॉ वी मुकुंद दास ने अपने संबोधन में सीआईएमपी के संस्थान निर्माण का वृतांत सुनाया और बताया के कैसे सीआईएमपी जैसे अद्भुत ज्ञान का स्मारक का निर्माण किया गया जिसने नालंदा और विक्रमशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों के पतन के बाद राज्य के शैक्षिक गौरव को पुनर्जीवित करने में महतव्पूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ दास ने बताया कि ग्यारह साल पहले एक कमरे वाले प्रतीकात्मक संस्थान से आज के अत्याधुनिक कैंपस वाले संस्थान की यात्रा एक आरामदायक यात्रा नहीं थी। इसे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और उचित समर्थन के कारण धन्यवाद दिया जिससे संस्थान सभी कठिनाइयों का सामना करने में सक्षम रहा और आज गर्व से देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों की कतार में खड़ा है। स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के लोगों के योगदान की सराहना करते हुए डॉ दास ने आगे कहा कि अब समय एक और स्वतंत्रता संग्राम के लिए परिपक्व हो रहा है जो है पिछड़ेपन से स्वतंत्रता। विशेष रूप से गुजरात में प्रचलित प्रथा का हवाला देते हुए, उन्होंने सीआईएमपी के विद्यार्थियों को उनके राज्य का विकास के लिये काम करने के लिए प्रेरित किया।

SanMarg Page No-03
Dated:-05/02/2019